वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सुरत

प्रथम वर्ष बी.ए.

हिंदी भाषा-कौशल

एक्सटर्नल (External)

(2017 - 2018, 2018 - 2019, और 2019 – 2020 के शैक्षणिक वर्ष के लिए)

प्रश्नपत्र – 1. हिंदी भाषा-कौशल : पंचवटी, निर्मला : (अनिवार्य हिन्दी)

(Foundation Course-1) (Total Marks 100)

पाठ्यपुस्तक – 1. पंचवटी – मैथिलीशरण गुप्त (प्रकाशक ,साहित्य सदन, झाँसी)

2. निर्मला – प्रेमचंद (लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद)

3. व्याकरण

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र :

ईकाई -1.

मैथिलीशरण गुप्त : व्यक्तित्व एवम् कृतित्व खंडकाव्य : परिभाषा एवम् लक्षण
'पंचवटी' : कथावस्तु, 'पंचवटी' : काव्य – स्वरूप।

ईकाई – 2.

'पंचवटी' के पात्र : चरित्र – चित्रण, 'पंचवटी' में रस-योजना,
'पंचवटी' की तात्विक समीक्षा, 'पंचवटी' काव्य का उद्देश्य।

ईकाई – 3.

प्रेमचंद का व्यक्तित्व और कृतित्व, 'निर्मला' उपन्यास की कथावस्तु,
'निर्मला' उपन्यास की तात्विक समीक्षा, 'निर्मला' उपन्यास में दहेज़ की समस्या और
'निर्मला' उपन्यास में अनमेल विवाह की समस्या |

ईकाई – 4.

'निर्मला' एक सामाजिक उपन्यास, 'निर्मला' के प्रमुख एवं गौण पात्र : चरित्र – चित्रण |

ईकाई – 5.

(अ). संक्षेपण का महत्त्व, पल्लवन का महत्त्व , पत्राचार – पात्र के अंग और व्यक्तिगत पत्र ।
शब्द-ज्ञान: शब्द-शुद्धि, पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, अनेकार्थी शब्द, समश्रुत शब्द्र
मुहावरे– लोकोक्तियाँ।

(ब) अनुवाद: (गुजराती से हिंदी में)

अंक विभाजन : सभी प्रश्नों के अंक समान हैं |

ईकाई 1,2, 3 और 4 से एक– एक आलोचनात्मक प्रश्न (20 x 4 = 80)

ईकाई 5 में (अ) और (ब) से एक– एक टिप्पणी (10 x 2= 20)

संदर्भ - पुस्तकें :

1. प्रशासनिक एवं कार्यालयी हिंदी – डॉ. रामप्रकाश एवं डॉ. दिनेशकुमार गुप्त
2. संक्षेपीकरण – गणेशप्रसाद गुप्त
3. हिंदी रामकाव्य: नये सन्दर्भ – डॉ. प्रमिला अवस्थी
4. हिंदी व्याकरण – डॉ. उमेशचंद्र शुक्ल
5. अच्छी हिंदी – रामचंद्र वर्मा
6. हिंदी व्यकरण: प्रबोध एवं रचना – डॉ. वी. रा. जगन्नाथ
7. हिंदी व्याकरण एवं रचना – प्रियंका तिवारी (सरस्वती प्रकाशन, कानपुर)
8. मैथिलीशरण गुप्तः काव्य संदर्भ कोश-डॉ.नगेन्द्र
9. मैथिलीशरण गुप्त-आनंद प्रकाश दीक्षित
10. मैथिलीशरण गुप्तः व्यक्ति और अभिव्यक्ति-संपा.सी.एल.प्रभात
11. प्रेमचंद एक विवेचन – डॉ. इन्द्रनाथ मदान
12. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी उपन्यासों में कृषक जीवन – डॉ. उत्तम पटेल (शांति प्रकाशन, रोहतक)
13. हिंदी उपन्यास के सौ वर्ष – डॉ. रामदरश मिश्र (गिरनार प्रकाशन, महेसाणा)
14. उपन्यास का स्वरूप – डॉ. शशी भूषण सिंहल (आधुनिक प्रकाशन, दिल्ली)

==========